

विचार बिन्दु

हमेशा याद रखिए कि सफलता के लिए किया गया आपका अपना संकल्प किसी भी और संकल्प से ज्यादा महत्व रखता है। –अब्राहम लिंकन

नई नीतियां, नया दौर : राजस्थान का युवा और बदलती सरकारी सोच

राजस्थान सरकार ने हाल के वर्षों में जिस दृढ़ संकल्प और दूरदृष्टि के साथ युवा सशक्तिकरण की नीतियाँ तैयार की हैं, वह न केवल राज्य के भविष्य को मजबूत करने वाली है, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर रही है। नई सरकार ने सत्ता संभालते ही युवाओं की बेरोजगारी, कौशल अभाव और सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों को प्राथमिकता दी और ठोस कदम उठाए, जो यह सिद्ध करते हैं कि युवा राज्य की प्राथमिक पूँजी हैं। रोजगार नीति २०२५, कौशल विकास नीति २०२५ और युवा नीति जैसे व्यापक दस्तावेजों के माध्यम से सरकार ने शिक्षा से रोजगार तक की पूरी श्रृंखला को एकीकृत कर दिया है, जिससे लाखों युवाओं के सपनों को पंख लगने लगे हैं।

राजस्थान सरकार की सोच में मूलभूत परिवर्तन आया है, जहाँ युवा को अब केवल नौकरी का इंतजार करने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर उद्यमी, नवाचारी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। पहले की नीतियाँ अक्सर विभागों तक सीमित रहती थीं, लेकिन अब समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और सामाजिक विकास को जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं पाँच वर्षों में १० लाख नई नौकरियाँ सृजित करना, २० लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना और स्टार्टअप इकोसिस्टम को दोगुना करना जो न केवल घोषणाएँ हैं, बल्कि बजट प्रावधानों और क्रियान्वयन तंत्र के साथ बँधे हुए हैं। यह बदलाव सराहनीय है, क्योंकि यह युवा आबादी को बोझ से पूँजी में बदलने को रणनीति है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। कौशल विकास नीति २०२५ के तहत ५०० से अधिक नए स्किल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, सोलर एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर फोकस है। सरकार ने उद्योग भागीदारों के साथ २०० से अधिक मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किए हैं, जिससे प्रशिक्षण ८० प्रतिशत प्लेसमेंट से जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्किल वैन और महिलाओं के लिए विशेष बैच चलाए जा रहे हैं, जो सामाजिक समावेश को सुनिश्चित करते हैं। हाल ही में आयोजित क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन में एक लाख युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने का ऐलान सराहनीय है, जो राजस्थान को डिजिटल अर्थव्यवस्था का हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाएँ, लोकसाहित्य और इतिहास भी युवाओं के लिए प्रेरणा और आत्मसम्मान का स्रोत बन सकते हैं। यदि नीतियाँ इस बात का ध्यान रखें कि युवा केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक वाहक भी है, तो उसे अपने प्रदेश और परंपरा से जुड़ने के ज्यादा अवसर मिलेंगे। विरासत पर्यटन, लोककला आधारित उद्यम, ग्रामीण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में सांस्कृतिक इको पर्यटन जैसी अवधारणाएँ युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार, उद्यम और गौरव, तीनों दे सकती हैं। इससे पलायन कम हो सकता है और गाँव-कस्बों में भी नई आर्थिक ऊर्जा का संचार हो सकता है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं।

सामुदायिक स्तर पर कार्यरत करने के लिए किया गया, जो ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका बढ़ाता है। ये कदम न केवल बेरोजगारी दर घटाने में सहायक हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास का संचार भी कर रहे हैं।

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने में राजस्थान सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। स्टार्टअप फंड में ५०० करोड़ का प्रावधान, इनक्यूबेशन सेंटरस का विस्तार और आई-स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों से १० हजार नए स्टार्टअप उभर रहे हैं। विशेष रूप से एमएसएमई और ग्रामीण उद्यमों के लिए सस्ते ऋण, टेक्न हट्ट और मार्केट लिंकेज प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं और पिछड़े वर्गों के युवा उद्यमी बन रहे हैं। सरकार का वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट दृष्टिकोण लोककला, हस्तशिल्प और कृषि-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है, जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदल रहा है।

सामाजिक और नैतिक विकास के प्रति सरकार की संवेदनशीलता भी उल्लेखनीय है। नशामुक्ति के लिए १०० नए केंद्र, विश्वविद्यालयों में नई किरण कार्यक्रम और युवा महोत्सवों के माध्यम से लाखों युवाओं को सकारात्मक दिशा दी जा रही है। खेलो इंडिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजनाओं से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन में युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाकर सरकार उन्हें जिम्मेदार नागरिक बना रही है।

डिजिटल शासन में राजस्थान सरकार का योगदान प्रशंसनीय है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुँच रहा है, जिससे भ्रष्टाचार कम हुआ है और पारदर्शिता बढ़ी है। ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता अभियान से दूरस्थ युवा भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

सरकार की ये नीतियाँ क्रियान्वयन स्तर पर भी मजबूत हैं। समयबद्ध मॉनिटरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट और फीडबैक तंत्र से सुधार निरंतर हो रहे हैं। चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं, लेकिन सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण जैसे भर्ती में सुधार और प्लेसमेंट कैंप समस्याओं का समाधान दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही है। युवाओं को अब सरकार के इस समर्थन पर भरोसा कर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि नया दौर और नई नीतियाँ उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

आखिरकार, नई नीतियाँ और नया दौर तभी सार्थक होंगे जब वे केवल हुकूमत की भाषा न रहकर जनजीवन का अनुभव बन जाएँ। राजस्थान का युवा यदि अपने भीतर आत्मविश्वास, जिज्ञासा, संवेदनशीलता और साहस को जगाए, और सरकार यदि ईमानदारी, पारदर्शिता और दूरदृष्टि के साथ उसके साथ खड़ी रहे, तो यह साझेदारी राज्य को नए सामाजिकआर्थिक संस्कार की दिशा में ले जा सकती है। बदलती सरकारी सोच और जागरूक, सक्रिय, रचनात्मक युवा-इन दोनों की संयुक्त ऊर्जा ही राजस्थान के भविष्य की असली पूँजी है। यहाँ से आगे का रास्ता न केवल नीतियों की गुणवत्ता से तय होगा, बल्कि इस बात से भी कि युवा और व्यवस्था मिलकर कितनी गहराई से एकदूसरे पर भरोसा कर पाते हैं।

—अतिथि संपादक, अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार



मणिमाला शर्मा

थार की तपिश में भी महिलाएं हार नहीं मानती हैं। गर्म हवाओं और सूखे के बीच वे उम्मीद और समाधान की नई उड़ान भर रही हैं। राजस्थान का रेगिस्तान हमेशा से कठोर रहा है। तेज धूप, कम बारिश और लगातार बदलते मौसम ने यहां की जिंदगी को चुनौतीपूर्ण बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश असंगठित हो गई है, गर्मी की अवधि लंबी और तीव्र हो गई है और पारंपरिक आजीविकाएं अब अनिश्चित हो चुकी हैं। इन बदलावों

राजस्थान में बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुका है। पिछले दशकों में राज्य के कई हिस्सों में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। गर्मी अब मार्च से शुरू होकर सितंबर तक खिंच जाती है। हॉटवेव के दिनों में खेतों में काम करना मुश्किल हो जाता है, स्कूलों में उपस्थिति घटती है और

आगजाल कुछ इस तरह होगा :—पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष २०२६ में ९ जनवरी से ११ जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जुनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

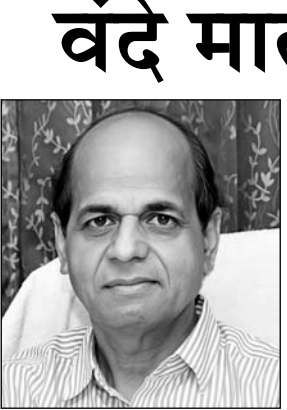
ये रहेंगे “बीकानेर ऊँट उत्सव” में मुख्य पातिविधियाँ :—“बीकानेर ऊँट उत्सव” में ऐसी कई गतिविधियाँ हैं जो कि आपका ध्यानआकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :— महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जुनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यून्स तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर १२ बजे से

और लोक संगीत की धाप हवाओं में गूँज उठती है, तब बीकानेर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। रेगिस्तान का ‘हजाज’ कहे जाने वाले ऊँटों की समर्पित “बीकानेर ऊँट उत्सव” न केवल राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है, बल्कि परंपरा, कला और रोमांच का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करता है। यह तीन दिवसीय उत्सव देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की आत्मा से जोड़ने का अवसर देता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” रेगिस्तान के हजाज’ कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित एक वार्षिक उत्सव है, जो राजस्थान की सतह से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” का

अंजलिका पंचार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं



डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी

वन्दे मातरम् केवल अतीत का गौरवान नहीं, बल्कि हमारे गणतंत्र का नैतिक भविष्य है। आज जब राष्ट्रवाद अक्सर नारों और प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाता है, तब यह पंक्तियां हमें याद दिलाती हैं कि मातृभूमि की वास्तविक वंदना सदनों की मर्यादा, नागरिक कत्यूषों के पालन और आचरण की शुचिता में निहित है। डेढ़ शताब्दी की इस चेतना को ‘उद्घोष’ से ‘किरदार’ में बदलने का समय आ गया है।

भारतीय इतिहास के दीर्घ और बहुआयामी फलक पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो केवल भाषा की संरचना नहीं रचते, बल्कि समय के साथ राष्ट्र की धड़कन में परिवर्तित हो जाते हैं। ‘वन्दे मातरम्’ ऐसा ही एक महामंत्र है, एक ऐसा उद्घोष है जिसने गत डेढ़ सौ वर्षों से भारत की सामूहिक चेतना को आलोकित, आंदोलित और दिशा प्रदान की है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, सन् १८७० के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के अंतर्मन से उपजा यह गीत किसी औपचारिक काव्य के प्रयास का परिणाम नहीं था। यह उस सुप्त राष्ट्रीय चेतना का ओजस्वी स्वर था, जो औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़े भारत को अपनी



मिथुन

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवाह/दिल मामलों से राहत मिल सकती है।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।



सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में किराया हो सकता है। खान-पान के विराम स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।



कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

रेत, रिस्क और रिस्पाँन्स: राजस्थान की महिलाएं क्लाइमेट फ्रंटलाइन पर



मणिमाला शर्मा

थार की तपिश में भी महिलाएं हार नहीं मानती हैं। गर्म हवाओं और सूखे के बीच वे उम्मीद और समाधान की नई उड़ान भर रही हैं। राजस्थान का रेगिस्तान हमेशा से कठोर रहा है। तेज धूप, कम बारिश और लगातार बदलते मौसम ने यहां की जिंदगी को चुनौतीपूर्ण बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश असंगठित हो गई है, गर्मी की अवधि लंबी और तीव्र हो गई है और पारंपरिक आजीविकाएं अब अनिश्चित हो चुकी हैं। इन बदलावों

राजस्थान में बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुका है। पिछले दशकों में राज्य के कई हिस्सों में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। गर्मी अब मार्च से शुरू होकर सितंबर तक खिंच जाती है। हॉटवेव के दिनों में खेतों में काम करना मुश्किल हो जाता है, स्कूलों में उपस्थिति घटती है और

आगजाल कुछ इस तरह होगा :—पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष २०२६ में ९ जनवरी से ११ जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जुनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

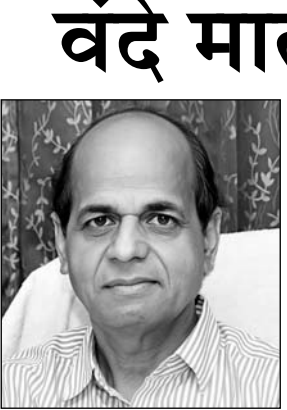
ये रहेंगे “बीकानेर ऊँट उत्सव” में मुख्य पातिविधियाँ :—“बीकानेर ऊँट उत्सव” में ऐसी कई गतिविधियाँ हैं जो कि आपका ध्यानआकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :— महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जुनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यून्स तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर १२ बजे से

और लोक संगीत की धाप हवाओं में गूँज उठती है, तब बीकानेर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। रेगिस्तान का ‘हजाज’ कहे जाने वाले ऊँटों की समर्पित “बीकानेर ऊँट उत्सव” न केवल राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है, बल्कि परंपरा, कला और रोमांच का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करता है। यह तीन दिवसीय उत्सव देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की आत्मा से जोड़ने का अवसर देता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” रेगिस्तान के हजाज’ कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित एक वार्षिक उत्सव है, जो राजस्थान की सतह से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” का

अंजलिका पंचार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं



डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी

वन्दे मातरम् केवल अतीत का गौरवान नहीं, बल्कि हमारे गणतंत्र का नैतिक भविष्य है। आज जब राष्ट्रवाद अक्सर नारों और प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाता है, तब यह पंक्तियां हमें याद दिलाती हैं कि मातृभूमि की वास्तविक वंदना सदनों की मर्यादा, नागरिक कत्यूषों के पालन और आचरण की शुचिता में निहित है। डेढ़ शताब्दी की इस चेतना को ‘उद्घोष’ से ‘किरदार’ में बदलने का समय आ गया है।

भारतीय इतिहास के दीर्घ और बहुआयामी फलक पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो केवल भाषा की संरचना नहीं रचते, बल्कि समय के साथ राष्ट्र की धड़कन में परिवर्तित हो जाते हैं। ‘वन्दे मातरम्’ ऐसा ही एक महामंत्र है, एक ऐसा उद्घोष है जिसने गत डेढ़ सौ वर्षों से भारत की सामूहिक चेतना को आलोकित, आंदोलित और दिशा प्रदान की है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, सन् १८७० के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के अंतर्मन से उपजा यह गीत किसी औपचारिक काव्य के प्रयास का परिणाम नहीं था। यह उस सुप्त राष्ट्रीय चेतना का ओजस्वी स्वर था, जो औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़े भारत को अपनी



मिथुन

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवाह/दिल मामलों से राहत मिल सकती है।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।



सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में किराया हो सकता है। खान-पान के विराम स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बरते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।



कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।